वाणिज्य महाविद्यालय
VANIJYA MAHAVIDYALAYA

पटना विश्वविद्यालय, पटना-५
PATNA UNIVERSITY, PATNA-5

✆ : 0612- 2670782
e_mail : pr.vmpu@gmail.com

Ref. .....

Date. .....

प्रकाशनार्थ

पटना 6 अक्टूबर, 2017

आज शताब्दी वर्ष के परिपेक्ष में वाणिज्य महाविद्यालय में "जेन्डर संवेदीकरण समस्या एवं समाधान" विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ । इस अवसर पर मुख्य वक्ता पटना विश्वविद्यालय जेण्डर संवेदीकरण सेल की अध्यक्षा एवं पटना विश्वविद्यालय इतिहास विभाग की अध्यक्षा डा० प्रो० पद्मलता ठाकुर थी । कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्जवलन से पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० (डा०) रास विहारी प्रसाद सिंह ने किया । प्रारंभ में आगत अतिथियों का स्वागत करते हुये प्राचार्य डा० ब्रह्मानंद पाण्डेय ने कहा कि समाज में व्याप्त मानव निर्मित विभेदों का समाप्त करने से ही विकास की गति तेज होगी । इस अवसर पर प्राचार्य ने पुष्पगुच्छ देकर कुलपति एवं मुख्य अतिथि को सम्मानित किया ।

कार्यक्रम के उदघाटनकर्त्ता कुलपति पटना विश्वविद्यालय ने उदबोधन में कहा कि भारत की संस्कृति बहुत पुरानी है और हमारे सांस्कृतिक मूल्य विश्व में अनुकरणीय है । कालक्रम से इसमें कुछ विचलन भी हुये हैं जिसके कारण स्त्री–पुरूष में अनावश्यक विभेद दिखता है । हमें विश्वविद्यालय परिसर में ऐसा माहौल निर्मित करना है जिसमें सभी छात्र–छात्रा शिक्षक–कर्मचारी एक दूसरे के प्रति आदर का भाव रखें । आशा है वाणिज्य महाविद्यालय के इस महल से आशातीत सफलता प्राप्त होगी ।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में अपने सारगर्भित ज्ञानवर्धक विस्तृत उदबोधन में डा० पद्मलता ठाकुर ने कहा कि प्रकृति–प्रदत पुरूष और नारी के अंतर को हमलोग समाप्त नही कर सकते और उससे कोई बाधा भी नही है किन्तु विभिन्न कारणों से मानव ने या समाज ने लड़के और लडकियों के बीच जो अनावश्यक विभेद बनाये हैं उसका प्रत्यक्ष कुप्रभाव हमारे आर्थिक सामाजिक और राजनितिक क्षेत्र पर दिखता है । आधी राष्ट्रशक्ति (नारी शक्ति) तो विकास की मुख्य धारा से अलग हो जाती है । संतोष की बात यह है कि शिक्षा के प्रचार–प्रसार एवं विभिन्न सामाजिक सुधारों सती प्रथा, बालविवाह, तिलक दहेज महिला आरक्षण आदि की व्यवस्था से स्थिति में दिनोदिन साकारात्मक सुधार हो रहा है लेकिन हमें इस मशाल को प्रज्जवलित रखना है ताकि स्त्री एवं पुरूष समान रूप से विकास में अपना अपना योगदान दे सकें।

कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं कर्मचारियों, शोधकर्त्ताओं तथा शिक्षकों से खचाखच भरे सभागार में पटना विश्वविद्यालय जेण्डर संवेदीकरण सेल के माननीय सदस्य डा० पूनम सिंह, डा० किरण कुमारी, डा० राजलक्ष्मी, डा० स्मिता सिंह, डा० मुनव्वर जहाँ, डा० वीणा प्रसाद, डा० अनुराधा सहाय और डा० राखी कुमारी उपस्थित थीं। वाणिज्य महाविद्यालय के सभी शिक्षक प्रो० अशोक कुमार सिंह, डा० एस०बी०लाल, डा० अहमद हुसैन, डा० शिवशंकर प्रसाद, डा० सुप्पन प्रसाद सिंह, डा० रामप्रवेश राम, डा० नकी अहमद जॉन, श्री प्रेम प्रकाश पंकज और श्री सिद्धार्थ भारद्वाज एवं शोधकर्ता श्री राहुल कुमार, सुश्री फरयाज कौसर अंसारी एवं अन्य कर्मचारी एवं महाविद्यालय के एम०कॉम०, बी०कॉम० और बी०बी०ए० के विद्यार्थी भारी संख्या में उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन वाणिज्य महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डा० चंदन कुमार ने किया ।

इस अवसर पर छात्र–छात्राओं से जेण्डर चैम्पियन के रूप में कार्य करने हेतु नाम आमंत्रित किया गया है।

ब्रह्मानन्द 6/10/17

प्राचार्य,
वाणिज्य महाविद्यालय,पटना वि०वि० ।